This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No.....

3470

LL.B./VI Term **B**

Paper LB-6042—NEGOTIABLE INSTRUMENTS, BANKING AND INSURANCE

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. (*a*) Discuss the essential characteristics of a valid Bill of Exchange.

(*b*) Are the following Negotiable Instruments ? Discuss the nature of the Instruments, supporting your answer with reasons :

(*i*) Radha writes Geeta "Please pay Meenu or order Rs. 10,000 sixty days after sight."

(*ii*) "I promise to pay X's son Rs. 2,000 for value received." (X has three sons)

(*iii*) "I promise to pay the bearer the sum of Rs. 5,000."

(*iv*) "I promise to pay A, Rs. 5,000 on B's death provided he leaves me sufficient money to pay the said amount." 20

(क) वैध विनिमय पत्र की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(ख) क्या निम्नलिखित परक्राम्य लिखत है ? लिखतों के स्वरूप का विवेचन तर्कों से पुष्ट करते हुए कीजिए :

(*i*) राधा गीता को लिखती है, "कृपया दर्शन के 60 दिन उपरान्त मीनू को अथवा आदेश पर ₹ 10,000 अदा करें।

(*ii*) "मैं प्राप्त मूल्यों के वास्ते X के पुत्र को ₹ 2,000 देने का वचन देता हूँ।" (X के तीन पुत्र हैं।)

(*iii*) "मैं धारक को ₹ 5,000 देने का वचन देता हूँ।"

(*iv*) "मैं A को B की मृत्यु पर ₹ 5,000 देने का वचन देता हूँ, शर्त है कि B उक्त रकम को देने के लिए पर्याप्त धन छोड़कर जाए।"

2. Critically analyse the existing definition of the term 'Holder under the Negotiable Instruments Act, 1881 and suggest and improvement if possible. 20

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 में "धारक" की मौजूदा परिभाषा की समीक्षात्मक विश्लेषण करते हुए सुझाव एवं सुधार बताइये, यदि सम्भव हो तो।

3. (*a*) Define 'Holder in due course' under the Negotiable Instruments Act, 1881 and also state the difference between Indian and English law referring to statutory provisions and case law.

(*b*) What are the rights and privileges enjoyed by Holder in due course ? 20

(क) लिखत परक्राम्य अधिनियम, 1881 के अंतर्गत 'सम्यक् अनुक्रम में धारक' की परिभाषा दीजिए तथा वैधानिक उपबन्धों एवं वाद विधि का हवाला देते हुए भारतीय तथा अंग्रेजी विधि में अन्तर भी बताइये।

(ख) सम्यक अनुक्रम में धारक द्वारा कौनसे अधिकारों एवं विशेषाधिकारों का उपभोग किया जाता है ?

4. Discuss the law relating to crossed cheques with special reference to the liability of the collecting banker in respect thereof with the help of decided cases. 20

संग्राहक बैंकर के दायित्व के मुख्य सन्दर्भ में क्रॉस चेक के सम्बन्ध में विनिर्णीत वादों की सहायता से विधि की व्याख्या कीजिए।

5. (*a*) What are the essentials required to constitute dishonour of cheque an offence ?

(*b*) "Law relating to Dishonour of cheques has been made more stringent and the procedure to be followed by the courts has been simplified to enable speedy disposal of cases." Analyse in the light of amendments made to Negotiable Instruments Act, 1881. 20

(क) चेक का अनादरण का एक अपराध होने की मुख्य शर्तें कौनसी है ?

(ख) "चेक के अनादरण से सम्बन्धित वादों के तीव्र निपटान के लिए कानून को अधिक कठोर एवं न्यायालय द्वारा अपनाई प्रक्रिया को सरल बना दिया है।" परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 में हुए संशोधनों के प्रकाश में विश्लेषण कीजिए।

6. "The Insured Owes a duty to disclose every material fact. of which he knows or ought to know before the contract of Insurance is made."

What would be the effect if this duty is not carried out ? Explain the nature and scope of this duty with the help of leading precedents. 20

"बीमाकृत का कर्तव्य है कि उसे बीमा की संविदा करने से पहले प्रत्येक तात्विक तथ्य जो वह जानता है या उसे जानना चाहिए, उजागर/प्रकटीकरण करें।" उक्त कर्तव्य के पालन न करने पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? मुख्य पूर्व निर्णयों की सहायता से इस कर्तव्य की प्रकृति एवं उद्देश्य की व्याख्या कीजिए।

7. X insured his household goods against theft. It was specifically mentioned in the insurance policy, that "Insurance Company would be liable for theft, provided the house is always occupied." One day X had to go with his entire family to

attend a wedding at 7 p.m. On return from there at 11 p.m., X found that valuables worth Rs. 50,000 had been stolen. X claims the loss under the policy from the insurer. Decide, stating the principles regarding interpretation of an Insurance Policy with reference to decided cases, if any. 20

X चोरी के विरुद्ध अपने घरेलू सामान का बीमा करवाता है। बीमा पॉलिसी में विशेष रूप से वर्णित था कि "बीमा कम्पनी चोरी के लिए उत्तरदायी होगी, जब घर हमेशा अधिकृत रहेगा।" एक दिन X अपने पूरे परिवार के साथ शाम के 7 बजे एक शादी में गए। जब 11 बजे वापस आए तो X ने पाया कि ₹ 50,000 से भी अधिक मूल्य का सामान चोरी हो चुका था। X बीमाकर्ता पर बीमा पॉलिसी के अधीन हानि का दावा करता है। निर्णीत कीजिए। बीमा पॉलिसी के विनिर्णीत वादों, यदि कोई है तो, के सन्दर्भ में सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following : 20

(*i*) Difference between Negotiation and Assignment;

(*ii*) Material Alteration;

(*iii*) Liability of a drawee of a cheque;

(*iv*) Endorsement in full and Endorsement in blank.

निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) परक्रामण तथा समनुदेशन में अन्तर;

(*ii*) तात्विक परिवर्तन।

(*iii*) चेक के अदाकर्त्ता का दायित्व;

(*iv*) पूर्ण पृष्ठांकन एवं निरंक पृष्ठांकन।